

जाट छात्रावास, बीकानेर

1. छात्रावास का नाम व पता — जाट छात्रावास, बीकानेर

जयपुर रोड़, बीकानेर

संचालक संस्था — किसान छात्रावास ट्रस्ट एवं छात्रावास पुनर्निर्माण समिति, बीकानेर।

2. **इतिहास**— बीकानेर क्षेत्र के किसानों में सामाजिक एवं शैक्षिक जागृति की शुरुआत आजादी से पहले हो गयी थी। स्वामी केशवानन्द के शैक्षिक आन्दोलन का प्रभाव बीकानेर, चुरु आदि क्षेत्रों में बहुत पड़ा एवं उनकी प्रेरणा से बीकानेर में इसी जागृति के परिणामस्वरूप किसान छात्रावास रानी बाजार आजादी के समय बन गया था लेकिन किसान छात्रावास रानी बाजार में विद्यार्थियों की बढ़ती संख्या के चलते किसानों के जरूरतमंद विद्यार्थियों को छात्रावास सुविधा उपलब्ध करवाने का संकल्प लिया श्री मालूराम कस्वा, निवासी गुसाईसर बड़ा। आप उन की आदत एवं उन का व्यापार करते थे लेकिन दिल में किसान कौम की सेवा करने की ललक बहुत थी। उनके सपने को साकार करने में मार्गदर्शक बनें श्री गोवर्धन सिंह चौधरी आई.ए.एस. पुत्र श्री गुला राम चौधरी, रतकुण्डीया जोधपुर तत्कालीन जिला कलेक्टर बीकानेर। श्री गोवर्धन सिंह चौधरी आई.ए.एस. ने नवीन छात्रावास हेतु 14 बीघा जमीन जयपुर रोड़ पर खरीदवाने में श्री मालूराम जी कस्वा एवं श्री पूर्णाराम रिटोड़ का पूरा सहयोग दिया एवं मार्गदर्शन किया। श्री मालूराम कस्वा कर्मठ, शिक्षा प्रेमी, किसान कौम के हितेशी एवं समाज को समर्पित व्यक्तित्व के धनी थे। जिनकी दूरदर्शीता की बदौलत आज बीकानेर की प्राईम लोकेशन पर इतनी जमीन एवं उस पर शानदार छात्रावास बनी हुई है। दानवीर श्री मालू राम कस्वां ने उक्त भूमि खरीदने के बाद इस छात्रावास के निर्माण के लिए स्वयं की धनराशि के साथ-साथ समाज के दानदाताओं को छात्रावास में एक-एक कमरा बनाने के लिए प्रेरित किया एवं दानदाताओं द्वारा सदभावना पूर्वक दी गयी राशि से 1962-63 में 10 कमरों स्वयं की देख रेख में बनाये गये एवं छात्रावास आरम्भ कर दिया। अगले चरण में श्री मालूराम एवं श्री पूर्णाराम रिटोड़ ने दानदाताओं को प्रेरित किया एवं उनसे 12 और कमरों की राशि प्राप्त होने पर 1967 में श्री खेमाराम जाट पलाना की देख-रेख में ये कमरें बनाये गये और श्री खेमाराम के निर्देशन में उक्त छात्रावास संचालित होता रहा।

इस छात्रावास के पास में लगभग 25 बीघा जमीन रेडियों स्टेशन की तरफ थी उस जमीन को इस छात्रावास के लिए खरीदने में श्री गिरधारीलाल भोबिया और श्री हरिराम चौधरी कामरेड की मुख्य भूमिका रही। वर्ष 2005 में श्री रामेश्वर लाल डूडी सांसद के मार्गदर्शन एवं सहयोग से श्री गिरधारीलाल भोबिया के प्रयासों से 12.5 बीघा और 12.5 बीघा की दो रजिस्ट्रीयाँ सम्बन्धित भूमि धारक से ट्रस्ट के नाम करवायी गयी जिससे 39 बीघा जमीन ट्रस्ट के नाम हो गयी। वर्ष में सूरजमल मेमोरीयल एज्युकेशन सोसाईटी नई दिल्ली के प्रस्ताव पर 15 बीघा जमीन लीज पर बालिका विद्यालय हेतु निःशुल्क दी गयी जिस पर महारानी किशोरी देवी गर्ल्स स्कूल एवं हॉस्टल संचालित है जिसमें ग्रामीण परिवेश की बालिकाओं को स्कूल व हॉस्टल फीस में 50 प्रतिशत या अधिक छूट दी जाती है। इस स्कूल की सोसायटी में आधे सदस्य किसान छात्रावास ट्रस्ट बीकानेर के हैं।

छात्रावास या कोई और संस्थान हो उनको बनाना महत्वपूर्ण है, लेकिन उसे चलाना उससे भी ज्यादा महत्वपूर्ण है। शुरु में इस छात्रावास ने अच्छी प्रगति की

लेकिन पिछले कुछ वर्षों से प्रबंधन की अरुचि को देखते हुए विद्यार्थियों को अपेक्षा अनुरूप व्यवस्थाएँ नहीं मिली। कई बार संस्था के लिए ऐसे मोके आते हैं कि उस संस्था के अच्छे दिनों की शुरुआत हो जाती है ऐसा ही हुआ 25.12.2019 को महाराजा सूरजमल की पुण्य तिथि पर जब छात्रावास में कार्यक्रम व मिटींग हुई। इस मीटींग में श्री रामचन्द्र पोटलिया, रिटायर्ड आर.ए.एस., श्री भीखाराम सागवा, श्री ईमीचन्द्र पूनिया, एडवोकेट, श्री चेताराम थालोड़ अध्यक्ष ट्रस्ट श्री हनुमान चौधरी सहित लगभग 200 लोग उपस्थित थे, जिसमें लम्बे विचार विमर्श के बाद में श्री रामचन्द्र पोटलिया रिटायर्ड आर.ए.एस की अध्यक्षता में छात्रावास पुनःनिर्माण समिति का गठन किया गया, जिसमें श्री पोटलिया, श्री भीखाराम सांगवा, श्री ईमीचन्द्र पूनिया, श्री हनुमान सिंह चौधरी, श्री भंवर लाल पोटलिया, श्री शिवलाल गोदारा, श्री लेखराज मोटसरा, श्री हजारीराम जाणी, श्री प्रहलाद गोदारा, श्री गिरधारी कुकणा, श्री कोडाराम भादू, श्री जयलाल डूडी, श्री भंवरलाल सागवा, श्री रामचन्द्र सउ, श्री नन्द राम कासनिया, श्री लक्ष्मण गोदारा, श्री रोहित बाना एवं श्री सुखराम बाना को शामिल किया गया। समिति के गठन के साथ ही समिति ने 05 – 06 दिन में ही विद्यार्थियों की अपेक्षानुरूप सकारात्मक परिवर्तन एवं व्यवस्थाएँ उपलब्ध करवायी। समिति ने तुरन्त बैठक कर पुनः निर्माण करवाने के लिए समाज से चंदा एकत्रित करने का निश्चय किया। श्री रामचन्द्र पोटलिया, श्री भीखाराम सागवा, श्री ईमीचन्द्र पूनिया एडवोकेट, श्री हनुमान चौधरी, श्री भंवर पोटलिया, श्री शिवलाल गोदारा, श्री लेखराज मोटसरा, श्री हजारीलाल जाणी आदि टीम बनाकर चंदे के लिए शहर में सामाज के दानदाताओं के पास गये, तो उन्होंने दिल खोलकर चन्दा दिया। 02–03 दिन में ही 05–06 लाख रुपये एकत्र हो गये। पूर्व में श्री मालूराम कस्वा के द्वारा बनाये गये कमरों के दानदाताओं में श्री रामेश्वर डूडी पूर्व सांसद के परिजन द्वारा निर्मित कमरों के पुनः निर्माण के लिए उनसे निवेदन करने पर उन्होंने तुरन्त रिपेयरिंग राशि दे दी। इस तरह शीघ्र राशि आने पर पुराने सभी 22 कमरों की पूरी तरह से रिपेयरिंग करवा दी गयी। इस पर लगभग 40 लाख का खर्चा हुआ। उक्त राशि ट्रस्ट के खाते से न ली जाकर सीधे दानदाताओं से ली गयी। विद्यार्थियों को भी उनकी अपेक्षा अनुरूप व्यवस्थाओं में परिवर्तन एवं सुविधाएँ मिल गयी। समाज के दानदाताओं द्वारा दी गयी राशि का छात्रावास पुनःनिर्माण समिति द्वारा सदपयोग किये जाने एवं गुणवत्तापूर्ण पुनःनिर्माण होने के कारण दानदाता और अधिक प्रेरित एवं प्रोत्साहित होकर नवीन कमरों के निर्माण का प्रस्ताव आने शुरू हो गये। समिति ने नवीन कमरे हेतु 1.75 लाख रुपये की राशि निर्धारित की। श्री **टिकाराम कस्वा** एवं श्री नन्दराम कासनियों ने सबसे पहले कमरा निर्माण हेतु 1.75 लाख की धनराशि दी। इस पर समिति ने छात्रावास की नीचे व ऊपर की मंजिल पर निर्माण कार्य शुरू करवा दिया। जनवरी 2020 से मार्च 2020 में लोकडाउन तक 10 कमरें पूर्ण होने के कगार पर थे, लेकिन कोरोना के कारण काम रुक गया। बाद में कार्य शुरू होने पर समाज के दानदाताओं ने बढ-चढ कर दान दिया, जिनके सहयोग से 24 नये कमरें एवं 01 हॉल बन चुका है और 24 कमरें व 01 हॉल निर्माणाधीन है। साथ ही कई शौचालय, 02 पानी की टैंक, 01 ट्यूबेल, 60 हजार लीटर का पानी का एक होज, दानदाताओं के सहयोग से तैयार हो चुके हैं। ऑफिस ब्लॉक में 03 कमरें एवं 01 कोचिंग हॉल बनाया जा चुका है। छात्रावास परिसर बीकानेर शहर के समाज हितेषी चिकित्सको द्वारा लगभग 05.50 लाख की लागत से एक ऑक्सीजन (गार्डन) का निर्माण करवाया है, जिससे विद्यार्थियों को स्वास्थ्य वातावरण मिल रहा है। दानदाताओं के सहयोग से लगभग 18 लाख रुपये का सौर ऊर्जा संयंत्र लग चुका है, जिससे छात्रावास का बिजली बिल शून्य हो गया एवं छात्रों पर आर्थिक भार कम हो गया। इस निर्माण कार्य पर

पुननिर्माण समिति अब तक 02 करोड़ 21 लाख रुपये खर्च हो चुकी है। अभी भी दानदाताओं द्वारा लगातार दानदाता राशि दी जा रही है जिससे अग्रिम निर्माण कार्य करवाया जाएगा।

3. कार्यकारिणी – प्रथम कार्यकारिणी

पीडिएफ

अध्यक्ष कार्यकाल – पीडिएफ

वर्तमान कार्यकारिणी – पीडिएफ

छात्रावास पुननिर्माण समिति – पीडिएफ

4. भौतिक संसाधन – यह छात्रावास भौतिक संसाधनों की दृष्टि से बहुत समृद्ध है। इसमें वर्तमान में 65 कमरें, कोचिंग हॉल, 13 शौचालय, स्नानघर सोलर सैट पानी टैंक सहित बेशकीमती जमीन है।

कमरा दानदाता सूची – 1964–65 में 22 कमरें बनाने वाले दानदाता – पीडिएफ

2019–2022 तक नये कमरें बनाने वाले दानदाता सूची – पीडिएफ

5. विद्यार्थी विवरण – इसमें कॉलेज शिक्षा एवं कम्पीटिशन की तैयारी करने वाले विद्यार्थी रहते हैं।

वार्डन –1. श्री खेमाराम पलाना,

2. श्री फुसाराम भादू,

3. श्री मांगीलाल बाना, श्री हनुमान सिंह कामरेड,

4. श्री ईमीचन्द पूनिया पूर्व में एवं

5. श्री भीखाराम सागवा वार्डन 2022 से लगातार

6. प्रवेश प्रक्रिया एवं नियमावली – वर्तमान में पहले आओं, पहले पाओं के आधार पर प्रवेश दिया जाता है। वर्तमान में कॉलेज शिक्षा एवं प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करने वाले 90 विद्यार्थी रह रहे हैं।
7. शैक्षिक एवं सह शैक्षणिक गतिविधियाँ – विद्यार्थियों के लिए समाज के शिक्षको द्वारा निशुल्क कोचिंग दी जा रही है। खेल मैदान एवं फोर्स की तैयारी हेतु पर्याप्त मैदान है।
8. भोजन व्यवस्था – वर्तमान में सामूहिक भोजन व्यवस्था है, एवं विद्यार्थियों से भोजन का वास्तविक व्यय लिया जाता है।